# DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

## Circular / Acad Sec./ UG /NEP & CBCS Curri./Model/ 2024.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities; **the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the following subject wise curriculum** *for Model College, Ghansawangi, Dist. Jalna* **as per norms of university grants commission and National Education Policy-2020** under the faculty of Humanitics in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

| Sr. No. | Course/Curriculum Name | Pattern | Semesters |
|---|---|---|---|
| 01. | B.A Second Year Honors in Marathi. | NEP | IIIrd & IVth |
| 02. | B.A Second Year Honors in Hindi. | NEP | IIIrd & IVth |
| 03. | B.A Second Year Honors in English. | NEP | IIIrd & IVth |
| 04. | B.A First Year Minor Changes with Second Year Honors in Economics. | NEP | Ist to IVth |
| 05. | B.A Second Year Honors in Sociology. | NEP | IIIrd & IVth |
| 06. | B.A Second Year Honors in Psychology. | NEP | IIIrd & IVth |
| 07. | B.A Third Year Honors in Marathi. | CBCS | Vth & VIth |
| 08. | B.A Third Year Honors in Hindi. | CBCS | Vth & VIth |
| 09. | B.A Third Year Honors in English. | CBCS | Vth & VIth |
| 10. | B.A Third Year Honors in Economics. | CBCS | Vth & VIth |
| 11. | B.A Third Year Honors in Sociology. | CBCS | Vth & VIth |
| 12. | B.A Third Year Honors in Psychology. | CBCS | Vth & VIth |

**This is effective from the Academic Year 2024-25 and Onwards as appended herewith.**

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus, Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/B.A.I & III Yr/NEP & CBCS for Model College/2024/ 7589-98
Date: 23.09.2024.

*******

Deputy Registrar
Academic

PTO --2--

:: 02 ::

**Copy forwarded with compliments to:-**

1] **The Principal, Model College,**
Affiliated to Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
Chhatrapati Sambhajinagar.

2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

**Copy to :-**

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Sec. Officer, [Concerned Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [ Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*230924/-

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
Chh.Sambhajinagar.

# MODEL COLLEGE GHANSAWANGI

# DIST.JALNA

## *Syllabus of Hindi*

According to National Education Policy 2020

(NEP-2020) Syllabus

B.A. Honors in Hindi

III & IV Semester

**Illustrative Credit distribution structure for three/ four year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options**

**(Discipline Specific in Hindi)**

**Class: B. A. SecondYear**

**Semester: Third Semester** **Subject: Hindi**

| Sr. No. | Category of Courses | Title of the Courses | Course Code | Credit | Marks | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | CA | UA | Total Marks |
| 01. | DSC-5 | Natak Sahitya | Core A | 05 | 40 | 60 | 100 |
| 02. | DSC-6 | Adhunik Kavita | Core B | 05 | 40 | 60 | 100 |
| 03. | M-1 | Media Lekhan-1 | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Media Lekhan-2 | | | | | |
| | | Media Lekhan-3 | | | | | |
| 04. | GE/OE-1 | Hindi Cinema Aur Sahitya-1 | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Hindi Cinema Aur Sahitya-2 | | | | | |
| | | Hindi Cinema Aur Sahitya-3 | | | | | |
| 05. | SEC-1 | Vigyapa Aur Hindi Bhasha-1 | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Vigyapa Aur Hindi Bhasha-2 | | | | | |
| | | Vigyapa Aur Hindi Bhasha-3 | | | | | |
| 06. | VSC-1 | Sambhashan Kala | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| 07. | AEC-1 | English | | 02 | 40 | 60 | 100 |
| | L-1 | Samanya Hindi | | 02 | 40 | 60 | 100 |
| | VEC-1 | | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | IKS-1 | | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| 08. | JOC-1 | Rachanatmak Lekhan | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | CC-1 | | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | **Total Marks of Third Semester** | | **30** | **320** | **480** | **800** |
| | | **Total Marks of Second Year (III semester + IV semester)** | | **60** | **620** | **930** | **1550** |

**Illustrative Credit distribution structure for three/ four year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options**

**(Discipline Specific in Hindi)**

**Class: B. A. Second Year**

**Semester: Fourth Semester**

**Subject: Hindi**

| Sr. No. | Category of Courses | Title of the Courses | Course Code | Credit | Marks | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | CA | UA | Total Marks |
| 01. | DSC-7 | Jivanparak Gadya | Core A | 05 | 40 | 60 | 100 |
| 02. | DSC-8 | Nibandh Sahitya | Core B | 05 | 40 | 60 | 100 |
| 03. | M-2 | Rachanatmak Lekhan-१ | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Rachanatmak Lekhan-२ | | | | | |
| | | Rachanatmak Lekhan-३ | | | | | |
| 04. | GE/OE-2 | Maukhik Sahitya Aur Parampara-१ | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Maukhik Sahitya Aur Parampara-२ | | | | | |
| | | Maukhik Sahitya Aur Parampara-३ | | | | | |
| 05. | SEC-2 | Hindi Rashtriya Kavyadhara-१ | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | Hindi Rashtriya Kavyadhara-२ | | | | | |
| | | Hindi Rashtriya Kavyadhara-३ | | | | | |
| 06. | VSC-2 | Computer Aur Hindi Bhasha | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| 07. | AEC-2 | English | | 04 | 40 | 60 | 100 |
| | L-2 | Samanya Hindi | | 02 | 40 | 60 | 100 |
| | VEC-2 | | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| 08. | VOC-1 | | VOC-Hin-201 | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | CC-2 | | | 02 | 20 | 30 | 50 |
| | | **Total Marks of Second Semester** | | **30** | **300** | **450** | 750 |
| | | **Total Marks of Second Year (III semester + IV semester)** | | **60** | **620** | 930 | 1550 |

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

### मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

हिंदी : द्वितीय भाषा (Indian Language)

Course Code IL-HIN-411सामान्य हिंदी-१

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन।
२. लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास।
३. कथेत्तर गद्य साहित्य का अध्ययन।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान
२. स्वाध्याय

**पाठ्यपुस्तक :** ६० अंक

१. निबंध सौरभ : संपादक प्रा.सौ.उमा जाधव, परंपरा प्रकाशन, दिल्ली।
अ. निबंध सौरभ में संकलित रचनाओं का संवेदनागत एवं शिल्पगत अध्ययन।

**पाठ्यांश :**

१. निबंध, ललित निबंध, व्यंग्य विधा : स्वरूप और विकासक्रम।
२. संकलन की रचनाओं का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन।
प्रयोजनमूलक भाषा : स्वरूप एवं महत्त्व, भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार्य, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का महत्त्व।
३. भाषा शिक्षण : स्वरूप एवं प्रक्रिया, भाषा कौशल, श्रवण कौशल, भाषण कौशल, वाचन कौशल, लेखन कौशल।
४. व्यावसायिक हिंदी : वाणिज्य व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप, वाणिज्य व्यापार के साधन वाणिज्य व्यापार और भाषिक प्रकार्य, वाणिज्य-व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ, व्यावसायिक पत्रलेखन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन कानपुर।
३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी/पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर।
४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
५. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ.बाबुराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

### बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

### हिंदी सिनेमा और साहित्य (Generic / OE-1)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंत:संबंध से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
२. विद्यार्थियों को सिनेमा की विषयवस्तु एवं तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
३. साहित्य और सिनेमा में निहित जीवनोपयोगी उपदेश देने की क्षमता का विकास कराना।
४. सिनेमा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज के यथार्थ से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा, अपने समाज की परिस्थितियों को सरलता से समझेंगे।
२. विद्यार्थियों में साहित्य और सिनेमा को देखने का आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
३. विद्यार्थियों में भावात्मक रूप से अधिक संवेदनशीलता का भाव निर्माण होने में मदत मिलेगी।
४. विद्यार्थियों को व्यक्तिगत जीवन में नैराश्य को छोड़कर यश प्राप्ति के लिए प्रेरणा मिलेगी।

अध्ययन अध्यापन पध्दति:

६० अंक

१. व्याख्यान पध्दति।
२. दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल, प्रोजेक्टर)।
३. फिल्म विशेषज्ञों से साक्षात्कार एवं व्याख्यान।
४. छात्रसंवाद/गोष्ठी/समूह चर्चा।
५. तकनीक का उपयोग।
६. स्वाध्याय।

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | 1. सिनेमा: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप (अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम)<br>2. सिनेमा की निर्मिती प्रक्रिया।<br>निर्मिती प्रक्रियापूर्व चरण-निर्माण योजना, कथा चयन, पटकथा, संवाद लेखन, गीत-संगीत इत्यादि।<br>निर्मिती चरण :- निर्देशक, सिनेमैटोग्राफी, कलाकार तथा ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, छायांकन (शूटिंग) इत्यादि।<br>निर्माणोत्तर चरण :- संपादन, गीत-संगीत ध्वनि रेकोर्डिंग, डबिंग, सेंसोर, सिनेमा का वितरण और प्रदर्शन इत्यादि।<br>3. सिनेमा के प्रकार (फीचर फिल्म/कथा चित्रा, डॉक्यूमेंट्री, फिल्म/वृतचित्रा, कार्टून | 15 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | फिल्म/एनीमेशन, एडवरटाइजमेंट, फिल्म विज्ञापन चित्र, न्यूज रील/ समाचार चित्र)<br>4. हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास (संक्षिप्त इतिहास)<br>5. भारत में सिनेमा का आरंभ (मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा)<br>6. समानान्तर सिनेमा।<br>7. डिजिटल दौर में हिंदी सिनेमा: ओटीटी प्लेटफार्म।<br>8. साहित्य और सिनेमा : अंतर्संबंध।<br>9. साहित्य कृतियाँ का फिल्मांकन।<br>10. हिंदी साहित्यकारों का सिनेमा में योगदान। | | |
| इकाई-2 | फिल्म समीक्षा<br>1. मोहनदास (मज़हर कामरान द्वारा निर्देशित)<br>2. तीसरी कसम (बासु भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित)<br>3. हिंदी मीडियम (साकेत चौधरी द्वारा निर्देशित)<br>4. 12th फेल (विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित)<br>5. लगान<br>6. मेरीकौम<br>7. पीपल-शॉर्ट फिल्म | | |

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. हिंदी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन।
२. सिनेमा और संस्कृति, राही मासून रजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, डॉ.रमा, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
४. हिंदी सिनेमा का इतिहास मनमोहन चढ्ढा, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
५. सिनेमा और साहित्य, हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
६. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
७. साहित्य और सिनेमा, संपादक-डॉ.भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।
८ सिनेमा और फिल्मान्तरित हिंदी साहित्य, डॉ.गोकुल क्षीरसागर, विकास प्रकाशन कानपुर।
९. भारतीय सिनेमा एक अनंत यात्रा, प्रसून सिन्हा, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

मीडिया लेखन (Generic / OE-2)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंत:संबंध से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
२. विद्यार्थियों को सिनेमा की विषयवस्तु एवं तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
३. साहित्य और सिनेमा में निहित जीवनोपयोगी उपदेश देने की क्षमता का विकास कराना।
४. सिनेमा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज के यथार्थ से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा, अपने समाज की परिस्थितियों को सरलता से समझेंगे।
२. विद्यार्थियों में साहित्य और सिनेमा को देखने का आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
३. विद्यार्थियों में भावात्मक रूप से अधिक संवेदनशीलता का भाव निर्माण होने में मदत मिलेगी।
४. विद्यार्थियों को व्यक्तिगत जीवन में नैराश्य को छोड़कर यश प्राप्ति के लिए प्रेरणा मिलेगी।

अध्ययन अध्यापन पध्दति: ६० अंक

१. व्याख्यान पध्दति।
२. दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल, प्रोजेक्टर)।
३. फिल्म विशेषज्ञों से साक्षात्कार एवं व्याख्यान।
४. छात्रसंवाद/गोष्ठी/समूह चर्चा।
५. तकनीक का उपयोग।
६. स्वाध्याय।

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | 1. जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ<br>2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप<br>3. संचार की अवधारणा<br>4. विभिन्न जनसंचार माध्यम<br>5. मुद्रण जनसंचार माध्यम<br>6. श्रव्य जनसंचार माध्यम<br>7. दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यम<br>8. नव इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम<br>9. अन्य कतिपय जनसंचार माध्यम | 15 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई-2 | 1. टेलीग्राफ<br>2. इंटरनेट<br>3. टेलीप्रिंटर<br>4. फैक्स<br>5. टेलीफोन<br>6. कॉर्डलेस टेलीफोन<br>7. इंटरकॉम<br>8. एस.टी.डी.<br>9. आई.ए.डी.<br>10. पेजर<br>11. सेल्युलर टेलीफोन<br>12. वीडियोफोन<br>13. टेलीटेक्स्ट<br>14. टेलीकान्फ्रेन्स<br>15. टैलेक्स<br>16. वीडियोटेक्स्ट<br>17. इलेक्ट्रॉनिक मेल | | |

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. हिंदी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन।
२. सिनेमा और संस्कृति, राही मासून रजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, डॉ.रमा, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
४. हिंदी सिनेमा का इतिहास मनमोहन चढ्ढा, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
५. सिनेमा और साहित्य, हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
६. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
७. साहित्य और सिनेमा, संपादक-डॉ.भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।
८ सिनेमा और फिल्मान्तरित हिंदी साहित्य, डॉ.गोकुल क्षीरसागर, विकास प्रकाशन कानपुर।
९. भारतीय सिनेमा एक अनंत यात्रा, प्रसून सिन्हा, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

### बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

### मीडिया लेखन (Generic / OE-3)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंत:संबंध से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
२. विद्यार्थियों को सिनेमा की विषयवस्तु एवं तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
३. साहित्य और सिनेमा में निहित जीवनोपयोगी उपदेश देने की क्षमता का विकास कराना।
४. सिनेमा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज के यथार्थ से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा, अपने समाज की परिस्थितियों को सरलता से समझेंगे।
२. विद्यार्थियों में साहित्य और सिनेमा को देखने का आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
३. विद्यार्थियों में भावात्मक रूप से अधिक संवेदनशीलता का भाव निर्माण होने में मदत मिलेगी।
४. विद्यार्थियों को व्यक्तिगत जीवन में नैराश्य को छोड़कर यश प्राप्ति के लिए प्रेरणा मिलेगी।

अध्ययन अध्यापन पध्दति: ६० अंक

१. व्याख्यान पध्दति।
२. दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल, प्रोजेक्टर)।
३. फिल्म विशेषज्ञों से साक्षात्कार एवं व्याख्यान।
४. छात्रसंवाद/गोष्ठी/समूह चर्चा।
५. तकनीक का उपयोग।
६. स्वाध्याय।

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | 1. जनसंचार और भाषा<br>2. मौखिक भाषा की प्रकृति<br>3. दृश्य माध्यम और भाषा का स्वरूप<br>4. समाचारों की भाषा<br>5. संपादकीय की भाषा<br>6. लेख आदि की भाषा<br>7. फिल्म समीक्षा की भाषा<br>8. श्रव्य माध्यम और भाषा का स्वरूप<br>9. आकाशवाणी के समाचारों की भाषा | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 10. दृश्य श्रव्य माध्यम और भाषा का स्वरूप<br>11. समाचार पत्रों की भाषा<br>12. दूरदर्शन की भाषा<br>13. रेडियों की भाषा<br>14. विज्ञापन की भाषा | |
| इकाई-2 | 1. समाचार लेखन एवं वाचन<br>2. रेडियो नाटक लेखन<br>3. उद्घोषणा लेखन<br>4. विज्ञापन लेखन<br>5. फीचर लेखन<br>6. रिपोर्ताज लेखन<br>7. पटकथा लेखन<br>8. टेलीड्रामा लेखन<br>9. डाक्यूमेंट्री/डाक्यूड्रामा लेखन<br>10. संवाद लेखन | |

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. हिंदी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन।
२. सिनेमा और संस्कृति, राही मासून रजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, डॉ.रमा, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
४. हिंदी सिनेमा का इतिहास मनमोहन चढ्ढा, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
५. सिनेमा और साहित्य, हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
६. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
७. साहित्य और सिनेमा, संपादक-डॉ.भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।
८ सिनेमा और फिल्मान्तरित हिंदी साहित्य, डॉ.गोकुल क्षीरसागर, विकास प्रकाशन कानपुर।
९. भारतीय सिनेमा एक अनंत यात्रा, प्रसून सिन्हा, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

### मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

रचनात्मक लेखन कौशल (Vocational Skill Course-1)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचय।
२. छात्रों में रचना तथा भाषा कौशल का विकास कराना।
३. छात्रों में सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास कराना।
४. भाव तथा विचारों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रायोगिक कार्य के पश्चात छात्रों में सृजनात्मक चिंतन, लेखन, भावाभिव्यक्ति और प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा।
२. छात्रों में अपने परिवेश तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

अध्ययन अध्यापन पध्दति:

६० अंक

व्याख्यान/विश्लेषण चर्चा/साक्षात्कार/दृक-श्राव्य माध्यम/प्रायोगिक कार्य

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | **सृजनात्मक लेखन** : अर्थ, क्षेत्र और महत्व<br>सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियम<br>रचना प्रक्रिया का स्वरूप<br>विषयवस्तु का निर्धारण<br>सृजनात्मक लेखन के विविध अभिव्यक्ति क्षेत्रा<br>सृजनात्मक लेखन के सिध्दांत<br>रचनात्मक लेखन कौशल का विकास<br>**साहित्य लेखन** :<br>कविता लेखन (कविता का स्वरूप, कविता के तत्व, कविता लेखन की पध्दति, काव्य भाषासौष्ठव)<br>कथा लेखन : (कहानी लेखन का स्वरूप, कहानी के तत्व, कहानी लेखन की प्रक्रिया कहानी लेखन की रूपरेखा)<br>**सूचना तंत्रा के लिए लेखन** :<br>यात्रा वृतांत : यात्रा वृतांत का स्वरूप, यात्रा वृतांत लेखन का महत्व, यात्रा वृतांत के मुख्य तत्व, यात्रा वृतांत लेखन की विभिन्न शैलियाँ, यात्रा वृतांत लेखन की रचना प्रक्रिया<br>**महिलाओं के लिए लेखन** (महिलाओं के लिए लेखन का स्वरूप, लेखन के विषय- | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | करियर, स्वास्थ्य, सौन्दय, नारी अधिकार, पाक कला, व्यक्तिगत समस्या आदि | |
| इकाई-2 | **क्रियात्मक गतिविधि** :<br>1. अध्यापक पाठ्य विषय के अध्ययन-अध्यापन के साथ छात्रों की रूचि के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाविष्ट विधा (कथा, कविता, निबंध, नाटक, यात्रा वृतांत, प्रासंगिक विषय आदि) पर लेखन कार्य संपन्न करवाएँ<br>2. छात्रों को विविध विधाओं के अंगों के परियच देकर लेखन प्रक्रिया को समझाएँ<br>3. छात्रों से विधानुरूप विविध विषयसूत्रा देकर काव्य अथवा कथा लिखने का अभ्यास करवाएँ<br>4. अध्यापक द्वारा छात्रों को अपने क्षेत्रा विशेष के साहित्यकार एवं विशेषज्ञ व्यक्ति के सामक्षात्कार लेखर लेखन की प्रक्रिया को समझाएँ<br>5. अध्यापक द्वारा छात्रों से महिला स्वास्थ्य, योग, करियर, रोजगार, स्वालंबन, सौंदर्य, भोजन के विविध व्यंजनों की विधि पर लेखन कार्य अथवा वीडियों तैयार करवाएँ<br>6. अध्यापक द्वारा छात्रों को सृजनात्मक लेखन एवं महिला लेखन विषयक प्रमुख ब्लॉग का परिचय देकर ब्लॉग पर लिखे विविध कंटेंट को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करें और उनसे लेखन का अभ्यास करवाएँ अपने लेखन के प्रकाशन के लिए स्वयं का ब्लॉग तैयार करने के लिए मार्गदर्शन करें<br>7. महाविद्यालयीने स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ की उपस्थिति में नवलेखक कार्यशाला का आयोजन करें<br>**छात्रा मूल्यांकन** :<br>सत्रांत में पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए<br>1. छात्र द्वारा कम से कम तीन स्व-सृजीत कविता का लेखन कार्य<br>2. तीन स्व-सृजीत लघु कथा का लेखन<br>3. तीन कथाओं का कथा लेखन<br>4. छात्रों ने स्वयं की हुई तीन यात्राओं का वृतांत का लेखन<br>5. महिला विषयक लेखन से संदर्भित कम से कम तीन लेखों का लेखन कार्य<br>निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त पाँच में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है | |

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. रचनात्मक लेखन-संपादक रमेश, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
२. सृजनात्मक लेखन- हरीश अरोरा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
३. कथा पटकथा-मनु भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. कविता रचना प्रक्रिया-कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

रचनात्मक लेखन कौशल (Vocational Skill Course-2)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचय।

२. छात्रों में रचना तथा भाषा कौशल का विकास कराना।

३. छात्रों में सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास कराना।

४. भाव तथा विचारों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रायोगिक कार्य के पश्चात छात्रों में सृजनात्मक चिंतन, लेखन, भावाभिव्यक्ति और प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा।

२. छात्रों में अपने परिवेश तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

अध्ययन अध्यापन पध्दति:

६० अंक

व्याख्यान/विश्लेषण चर्चा/साक्षात्कार/दृक-श्राव्य माध्यम/प्रायोगिक कार्य

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | **साहित्य लेखन** :<br>कविता लेखन (कविता का स्वरूप, कविता के तत्व, कविता लेखन की पध्दति, काव्य भाषासौष्ठव)<br>कथा लेखन : (कहानी लेखन का स्वरूप, कहानी के तत्व, कहानी लेखन की प्रक्रिया कहानी लेखन की रूपरेखा)<br>**सूचना तंत्रा के लिए लेखन** :<br>यात्रा वृतांत : यात्रा वृतांत का स्वरूप, यात्रा वृतांत लेखन का महत्व, यात्रा वृतांत के मुख्य तत्व, यात्रा वृतांत लेखन की विभिन्न शैलियाँ, यात्रा वृतांत लेखन की रचना प्रक्रिया<br>**महिलाओं के लिए लेखन** (महिलाओं के लिए लेखन का स्वरूप, लेखन के विषय- करियर, स्वास्थ्य, सौन्दर्य, नारी अधिकार, पाक कला, व्यक्तिगत समस्या आदि | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| इकाई-2 | **क्रियात्मक गतिविधि** :<br>1. अध्यापक पाठ्य विषय के अध्ययन-अध्यापन के साथ छात्रों की रूचि के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाविष्ट विधा (कथा, कविता, निबंध, नाटक, यात्रा वृतांत, प्रासंगिक विषय आदि) पर लेखन कार्य संपन्न करवाएँ<br>2. छात्रों को विविध विधाओं के अंगों के परियच देकर लेखन प्रक्रिया को समझाएँ<br>3. छात्रों से विधानुरूप विविध विषयसूत्रा देकर काव्य अथवा कथा लिखने का अभ्यास करवाएँ<br>4. अध्यापक द्वारा छात्रों को अपने क्षेत्रा विशेष के साहित्यकार एवं विशेषज्ञ व्यक्ति के सामक्षात्कार लेखर लेखन की प्रक्रिया को समझाएँ<br>5. अध्यापक द्वारा छात्रों से महिला स्वास्थ्य, योग, करियर, रोजगार, स्वालंबन, सौंदर्य, भोजन के विविध व्यंजनों की विधि पर लेखन कार्य अथवा वीडियों तैयार करवाएँ<br>6. अध्यापक द्वारा छात्रों को सृजनात्मक लेखन एवं महिला लेखन विषयक प्रमुख ब्लॉग का परिचय देकर ब्लॉग पर लिखे विविध कंटैंट को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करें और उनसे लेखन का अभ्यास करवाएँ अपने लेखन के प्रकाशन के लिए स्वयं का ब्लॉग तैयार करने के लिए मार्गदर्शन करें<br>7. महाविद्यालयीने स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ की उपस्थिति में नवलेखक कार्यशाला का आयोजन करें<br>**छात्रा मूल्यांकन** :<br>सत्रांत में पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए<br>1. छात्र द्वारा कम से कम तीन स्व-सृजीत कविता का लेखन कार्य<br>2. तीन स्व-सृजीत लघु कथा का लेखन<br>3. तीन कथाओं का कथा लेखन<br>4. छात्रों ने स्वयं की हुई तीन यात्राओं का वृतांत का लेखन<br>5. महिला विषयक लेखन से संदर्भित कम से कम तीन लेखों का लेखन कार्य<br>निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त पाँच में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है | |

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. रचनात्मक लेखन-संपादक रमेश, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

२. सृजनात्मक लेखन- हरीश अरोरा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली

३. कथा पटकथा-मनु भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

४. कविता रचना प्रक्रिया-कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

रचनात्मक लेखन कौशल (Vocational Skill Course-3)

अंक-१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

१. रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचय।
२. छात्रों में रचना तथा भाषा कौशल का विकास कराना।
३. छात्रों में सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास कराना।
४. भाव तथा विचारों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

१. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रायोगिक कार्य के पश्चात छात्रों में सृजनात्मक चिंतन, लेखन, भावाभिव्यक्ति और प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा।
२. छात्रों में अपने परिवेश तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

अध्ययन अध्यापन पध्दति: ६० अंक

व्याख्यान/विश्लेषण चर्चा/साक्षात्कार/दृक-श्राव्य माध्यम/प्रायोगिक कार्य

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | **सूचना तंत्रा के लिए लेखन** :<br>यात्रा वृतांत : यात्रा वृतांत का स्वरूप, यात्रा वृतांत लेखन का महत्व, यात्रा वृतांत के मुख्य तत्व, यात्रा वृतांत लेखन की विभिन्न शैलियाँ, यात्रा वृतांत लेखन की रचना प्रक्रिया<br>**महिलाओं के लिए लेखन** (महिलाओं के लिए लेखन का स्वरूप, लेखन के विषय- करियर, स्वास्थ्य, सौन्दर्य, नारी अधिकार, पाक कला, व्यक्तिगत समस्या आदि | 15 |
| इकाई-2 | **क्रियात्मक गतिविधि** :<br>1. अध्यापक पाठ्य विषय के अध्ययन-अध्यापन के साथ छात्रों की रूचि के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाविष्ट विधा (कथा, कविता, निबंध, नाटक, यात्रा वृतांत, प्रासंगिक विषय आदि) पर लेखन कार्य संपन्न करवाएँ<br>2. छात्रों को विविध विधाओं के अंगों के परियच देकर लेखन प्रक्रिया को समझाएँ<br>3. छात्रों से विधानुरूप विविध विषयसूत्रा देकर काव्य अथवा कथा लिखने का अभ्यास करवाएँ<br>4. अध्यापक द्वारा छात्रों को अपने क्षेत्रा विशेष के साहित्यकार एवं विशेषज्ञ व्यक्ति के सामक्षात्कार लेखर लेखन की प्रक्रिया को समझाएँ<br>5. अध्यापक द्वारा छात्रों से महिला स्वास्थ्य, योग, करियर, रोजगार, स्वालंबन, सौंदर्य, | |

भोजन के विविध व्यंजनों की विधि पर लेखन कार्य अथवा वीडियो तैयार करवाए

6. अध्यापक द्वारा छात्रों को सृजनात्मक लेखन एवं महिला लेखन विषयक प्रमुख ब्लॉग का परिचय देकर ब्लॉग पर लिखे विविध कंटेंट को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करें और उनसे लेखन का अभ्यास करवाएँ अपने लेखन के प्रकाशन के लिए स्वयं का ब्लॉग तैयार करने के लिए मार्गदर्शन करें
7. महाविद्यालयीने स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ की उपस्थिति में नवलेखक कार्यशाला का आयोजन करें

**छात्रा मूल्यांकन :**

सत्रांत में पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए

1. छात्र द्वारा कम से कम तीन स्व-सृजीत कविता का लेखन कार्य
2. तीन स्व-सृजीत लघु कथा का लेखन
3. तीन कथाओं का कथा लेखन
4. छात्रों ने स्वयं की हुई तीन यात्राओं का वृतांत का लेखन
5. महिला विषयक लेखन से संदर्भित कम से कम तीन लेखों का लेखन कार्य

निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त पाँच में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. रचनात्मक लेखन-संपादक रमेश, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
२. सृजनात्मक लेखन- हरीश अरोरा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
३. कथा पटकथा-मनु भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. कविता रचना प्रक्रिया-कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

### मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

विज्ञापन और हिंदी भाषा (1)

अंक-१००

इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

१. विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा

२. विज्ञापन का महत्व

३. विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण

४. विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

इकाई-2 : विज्ञापन : विविध माध्यम

१. सामान्य परिचय

२. विज्ञापन माध्यम का चयन

३. प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन

इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा

१. विज्ञापन की भाषा का स्वरूप

२. विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

३. विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

४. हिंदी विज्ञापनों की भाषा

इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अध्यास

१. प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण

२. रेडियो जिंगल लेखन

३. टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
२. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य-सुधीश पचौरी
३. डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
४. ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
५. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल
६. विज्ञापन की दुनिया -कुमुद शर्मा
७. विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी
८. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध-कृष्णा कुमार रत्तू


वेबलिंक

1. www.adbrands.net
2. www.afaqs.com
3. www.udgully.com
4. www.cnbc.com
5. www.exchange4media.com

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

विज्ञापन और हिंदी भाषा (2)

अंक-१००

इकाई-1 : विज्ञापन : विविध माध्यम

१. सामान्य परिचय
२. विज्ञापन माध्यम का चयन
३. प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन

इकाई-2 : विज्ञापन की भाषा

१. विज्ञापन की भाषा का स्वरूप
२. विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
३. विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर
४. हिंदी विज्ञापनों की भाषा

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
२. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य-सुधीश पचौरी
३. डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
४. ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
५. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल
६. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा
७. विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी
८. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध-कृष्णा कुमार रत्तू


वेबलिंक

1. www.adbrands.net
2. www.afaqs.com
3. www.udgully.com
4. www.cnbc.com
5. www.exchange4media.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

विज्ञापन और हिंदी भाषा (3)

अंक-१००

इकाई-1 : विज्ञापन-निर्माण का अध्यास

१. प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
२. रेडियो जिंगल लेखन
३. टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

इकाई-2 :

१. हिंदी के विविध रूप
२. सृजनात्मक भाषा
३. संचार भाषा
४. राज भाषा
५. राष्ट्रभाषा
६. संपर्क भाषा

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
२. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य-सुधीश पचौरी
३. डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
४. ब्रेक के बाद -सुधीश पचौरी
५. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल
६. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा
७. विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी
८. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध-कृष्णा कुमार रत्तू
९ प्रयोजन मूलक हिंदी अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख


वेबलिंक

1. www.adbrands.net
2. www.afaqs.com
3. www.udgully.com
4. www.cnbc.com
5. www.exchange4media.com

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

संभाषण कला (Skill Enhancement Course)

अंक-१००

| | | |
|---|---|---|
| पाठ्यक्रम का उद्देश्य : | | |
| | १. | छात्र के व्यक्तित्व विकास हेतु आवश्यक वार्तालाप तथा संवाद, व्याख्यान, वाद-विवाद का ज्ञान देना। |
| | २. | एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, हिंदी भाषा ज्ञान और मानक उच्चारण आदि कौशल को सिखाना। |
| | ३. | भाषण, वाद-विवाद, मंच संचालन, मंचीय कविता आदि के बारे में छात्रों को जानकारी देना। |
| पाठ्यक्रम के परिणाम : | | |
| | १. | छात्र संभाषण के महत्व को समझेंगे। |
| | २. | छात्रा वार्तालाप, भाषण, वाद-विवाद, एकालाप, परिचर्चा जैसे संभाषण के विविध आयाम समझेंगे। |
| | ३. | भाषण, वाद-विवाद, मंच संचालन, मंचीय कविता आदि के बारे में छात्रों को जानकारी मिलेगी। |
| | ४. | छात्रों को संभाषण के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। |
| | ५. | भविष्य में विद्यार्थी इसके सहारे विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप में कुशल वक्ता, सूत्र संचालक, कवि बनेंगे। |

अध्ययन अध्यापन पध्दति: ६० अंक

प्रत्यक्ष व्याख्यान देने के अतिरिक्त मुख्य रूप से मिश्रित ज्ञानार्जन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसमें परियोजना आधारित ज्ञानार्जन, प्रदर्शन, समूह परिचर्चा, विभिन्न स्थल एवं प्रसंग के अनुरूप वार्तालाप का अभ्यास इत्यादि करवाया जाए। अभ्यास हेतु दृक-श्रव्य माध्यमों का उपयोग किया जाए।

| इकाई | पाठ्यांश | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | **संभाषण : अर्थ एवं विभिन्न रूप** | |
| | संभाषण : अर्थ और स्वरूप | |
| | **वार्तालाप या संवाद** : (संवाद स्वरूप और प्रकार, संवाद की संरचना, संवाद की औपचारिकताएँ, संवाद की प्रक्रिया, संवाद की भाषा शैली) | |
| | **व्याख्यान या भाषण** : (भाषण कला क्या है, भाषण कौशल के गुण, औपचारिक भाषण, प्रेरक भाषण, सूचनात्मक भाषण, मनोरंजक भाषण) दर्शनात्मक भाषण, तत्काल भाषण, बिदाई भाषण। | |
| | **वाद-विवाद** : (वाद-विवाद का अर्थ और स्वरूप, वाद-विवाद का महत्व, वाद-विवाद का विधि, प्रभावी वाद विवाद के लिए आवश्यक बिंदु) | |
| | **मंच संचालन (एंकरिंग)** : स्क्रिप्ट, आत्मविश्वास, भाषा, आवाज, शरीर, भाषा, प्रासंगिकता इत्यादि महत्वपूर्ण गुण। | |
| | **मंचीय कविता वाचन** : प्रारूप और महत्वपूर्ण इकाईयाँ | |
| | संभाषण कला के प्रमुख उपादान- भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम) वेग, लहजा (एक्सेंट) | |

| इकाइ-2 | क्रियात्मक गतिविधि : | |
|---|---|---|
| | 1. छात्रों को संभाषण के विविध आयामों का परिचय देकर उन्हें विभिन्न प्रसंगानुकूल संभाषण कौशल काअभ्यास करवाया जाए।<br>2. कक्षा में छात्रों के समूह बनाकर संवाद, वार्तालाप, परिचर्चा, वाद-विवाद जैसे उपक्रमों का आयोजन किया जाए।<br>3. छात्रों को विविध विषय देकर मंच पर जाकर छोटे भाषण करने का अभ्यास करवाकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए।<br>4. छात्र को भाषण, एंकरिंग विधाओं का अभ्यास कराने से पहले विविध विषयों पर स्क्रिप्ट लिखवाई जाए।<br>5. स्क्रिप्ट के आधार पर भाषण एवं कविता वाचन का अभ्यास करवाया जाए<br>6. संभाषण कला से सम्बंधित सभी विधाओं पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रत्येक छात्र को उसमें सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया जाए।<br>7. संभाषण कला से सम्बंधित विविध प्रेरक वीडियो छात्रों को दिखा कर उन्हें प्रेरित किया जाए। | |
| | **छात्र मूल्यांकन** | |
| | सत्रांत पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। | |
| | 1. विभाग, महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में छात्र द्वारा विविध विषय एवं प्रसंग पर कम से कम दो भाषण एवं व्याख्यानों का प्रस्तुतीकरण (प्रत्येक भाषण 7 मिनट)<br>2. विभाग, महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में कोई भी दो अलग-अलग प्रासंगिक विषयों पर वाद-विवाद की गतिविधि में छात्र का सक्रिय सहभाग (प्रत्येक वाद-विवाद 7 मिनट)<br>3. विभाग, महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम का पूर्ण नियोजन एवं मंच संचालन का कार्य (दो छात्र) सफल आयोजन के उपरांत दोनों छात्रों को समान अंक दिए जाए।<br>4. विभाग, महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में छात्र द्वारा कविताओं का काव्य पाठ करना (कम से कम तीन काव्य पाठ) | |

निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।

| **अंतर्गत मूल्यांकन :** | | ४० अंक |
|---|---|---|

**संदर्भ ग्रंथ :**

| | | |
|---|---|---|
| | १. | आदर्श भाषा कला-यज्ञदत शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली |
| | २. | भाषण कला, महेश शर्मा, प्रभात प्रकाशन (Amazon पर उपलब्ध) |
| | ३. | वाद-विवाद और संभाषण-श्रध्दा पांडे, प्रभात प्रकाशन (Amazon पर उपलब्ध) |
| | ४. | वाद-विवाद- अनिता गोड, वी. एण्ड एस पब्लिशर्स (Amazon पर उपलब्ध) |
| | ५. | भारतीय प्रसारण : विविध आयाम - मधुकर गंगाधर (Amazon पर उपलब्ध) |
| | ६. | https://www.egyankosh.ac.in/bitsstream/123456789/14225/1/unit-15.pdf |
| | ७. | उत्कृष्ट संचालन इ सारंग टाकळकर, साकेत प्रकाशन |
| | ८. | बने एंकरिंग के शाईनिंग स्टर इ तंजीम खान, (Amazon पर उपलब्ध) |
| | ९. | एंकरिंग का सुपरस्टार - अमित जैन मौलिक, ई-बुक |
| | १०. | https://youtube/05mggBue54M?si=mZftankc4aDDln6J |

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

Course Code C-HIN-412 सामान्य हिंदी-१

Core-A: नाटक साहित्य

अंक-५०

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. नाटक साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ३० अंक

१. भभूल्या : रत्नकुमार सांभरिया, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
२. एक था गधा : शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

**पाठ्यांश :**

१. नाटककार रत्नकुमार सांभरिया का जीवन परिचय।
२. भभूल्या नाटक का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन।
३. शरद जोशी का जीवन परिचय।
४. एक था गधा का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** २० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिंदी विधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन, डॉ.वैजनाथसिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ।
२. नाटक तथा रंग परिकल्पना : डॉ.गिरिष रस्तोगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
३. हिंदी दलित लेखन एवं रत्नकुमार सांभरिया का साहित्य : डॉ.धुलचंद मिना, नटराज प्रकाशन दिल्ली।
४. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र- देवराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

Course Code C-HIN-413

Core-B: आधुनिक कविता

अंक-५०

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. काव्य साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ३० अंक

१. आधुनिक काव्य संग्रह : संपादिका डॉ.उर्वशी शर्मा, मलिक ॲण्ड कंपनी, जयपूर।
२. चुनी हुई लंबी कविताएँ : संपादित गोविंदप्रसाद, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

**पाठ्यांश :**

१. छायावादी काव्य और प्रसाद, निराला तथा पंत का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन।
२. गजानन माधव मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन।
३. रघुवीर सहाय का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन।
४. जयशंकर प्रसाद, निराला, धूमिल, लीलाधर जगुडी, उदय प्रकाश तथा लिलाधर मंडलोई की लंबी कविताओं का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** २० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. समकालीन हिंदी कविता और अस्मिता : डॉ.पी.ए.रघुराम।
२. जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम : करूणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. आधुनिक कविता का पुर्नपाठ : करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
४. निराला का काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन कमलप्रभा कपानी।
५. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

Course Code S-HIN-414

Core-B: कविता : विधारूप एवं विकास

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. काव्य साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यांश :** ६० अंक

१. कविता : तात्पर्य एवं परिभाषा।
२. प्रबंध कविता और उसके भेद।
३. महाकाव्य का परिचय।
४. खण्डकाव्य का परिचय।
५. मुक्त काव्य का परिचय।
६. नीतीकाव्य का परिचय।
७. प्राचीन तथा मध्यकालीन कविता : विकासात्मक परिचय।
८. आधुनिक हिंदी कविता : विकासात्मक परिचय।

अंतर्गत मूल्यांकन : ४० अंक

संदर्भ ग्रंथ :


१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत : डॉ.शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
२. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रूपरेखा डॉ.रामचंद्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
४. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : डॉ.देवराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

### मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- तृतीय सत्र-(हिंदी)

Course Code A-HIN-415

Applied : प्रयोजनमूलक हिंदी-१

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।

२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन।

३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।

२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।

३. कार्यशाला।

४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ६० अंक

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**पाठ्यांश :**

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप तथा प्रयोगक्षेत्र प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य।
प्रयोजनमूलक हिंदी : नामकरण, परिभाषा एवं स्वरूप, व्यवहार क्षेत्र या प्रयुक्तियाँ, वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी, प्रशासनीक कार्यालयी हिंदी, विधी की हिंदी, वाणिज्य और व्यावसायिक हिंदी, जनसंचार माध्यमों की हिंदी।

२. पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द : स्वरूप तथा परिभाषा, सामान्य विशेषताएँ, निर्धारण : समस्या और समाधान, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली, सरकारी-अर्ध्दसरकारी कार्यालयों में काम आनेवाली पारिभाषिक शब्दावली, मंत्रालयों, कार्यालयों के नाम तथा पदनाम, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली : प्रश्नों के घेरे में।

३. व्यावहारिक - व्यावसायिक पत्र लेखन, व्यावसायिक पत्र स्वरूप एवं प्रारूप, व्यावसायिक पत्र स्वरूप एवं प्रारूप, व्यावसायिक व्यावहारिक पत्र की स्वरूपागत विशेषताएँ, आवेदन पत्र, साख पत्र, मूल्यज्ञापन पत्र, शिकायत पत्र, समायोजन पत्र, तगादा पत्र विशेष व्यावहारिक पत्र, बँक तथा बँकिंग से संबंधित पत्र।

४. सरकारी तथा अर्ध्दसरकारी पत्र व्यवहार, सरकारी पत्राचार से तात्पर्य, सामान्य विशेषताएँ, स्वरूप एवं प्रारूप, अर्ध्दसरकारी पत्र का स्वरूप तथा प्रारूप, सरकारी पत्र के विविध रूप, ज्ञापन, अधिसूचना, आदेश, परिपत्र प्रेस विज्ञप्ति।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी/पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर।
४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र-(हिंदी)

हिंदी :- द्वितीय भाषा (Indian Language)

Course Code IL-HIN-416

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन।
२. कौशल्य का विकास।
३. मीडिया लेखन के छात्रों को अवगत कराना।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ६० अंक

१. संस्कृति क्या है ? विष्णु प्रभाकर सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन।

**पाठ्यांश :**

१. मीडिया लेखन : जनसंचार माध्यम के विविध रूप, समाचार लेखन, रेडिओ वार्ता, लेखन, फिचर लेखन।
२. वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी : वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी का स्वरूप एवं विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण : सिध्दांत एवं प्रयोग, वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद का स्वरूप एवं समस्याएँ।
३. निबंध लेखन : तात्पर्य एवं परिभाषा, निबंध के भेद, निबंध लेखन प्रक्रिया।
४. संस्कृति क्या है ? संकलन की रचनाओं का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी/पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर।
४. हिंदी साहित्य का इतिहास युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र-(हिंदी)

Course Code C-HIN-417

Core A: जीवनीपरक गद्य

अंक-५०

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. आत्मकथा साहित्य का अध्ययन, संस्मरण साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ३० अंक

१. क्या भुलूँ क्या याद करूँ : हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
२. स्मृतिबिंब : संपा. डॉ.चंद्रश्वर कर्ण, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**पाठ्यांश :**

१. रचनाकार हरिवंशराय बच्चन जी का परिचय।
२. क्या भुलूँ क्या याद करूँ कथ्यगत विवेचन।
३. क्या भुलूँ क्या याद करूँ शिल्पगत विवेचन।
४. स्मृतिबिंब में संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन।
५. स्मृतिबिंब में संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** २० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य : प्रा.श्रीनिवास, अभय प्रकाशन, कानपुर।
२. आत्मकथा साहित्य : सिध्दांत और समीक्षा-डॉ.आनंद सिंहल, अमन प्रकाशन, कानपुर।
३. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
४. कथेत्तर साहित्य की विविध विधाएँ : वैद्यनाथ सिंह।
५. भाषा साहित्य और देश : डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी।

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

### मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र-(हिंदी)
Course Code C-HIN-418
Core B: निबंध साहित्य

अंक-५०

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. निबंध, व्यंग्य साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :** ३० अंक

१. श्रेष्ठ ललित निबंध : संपा.डॉ.नंदूजी दुबे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. काग भगोडा : हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**पाठ्यांश :**

१. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन।
२. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन।
३. रचनाकार हरिशंकर परसाई का जीवन तथा रचना संसार।
४. काग भगोडा में संकलित व्यंग्य का कथ्यगत तथा शिल्पगत अध्ययन।
५.

**अंतर्गत मूल्यांकन :** २० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन : डॉ.सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।
२. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, डॉ.मनोहर देवालिया, साहित्यवाणी, इलाहाबाद।
३. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना : डॉ.आभा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
४. हिंदी साहित्य का इतिहास युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र-(हिंदी)

Course Code S-HIN-419

Supportive : हिंदी गद्य : विधारूप एवं विकास

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिसंस्कार।
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
३. काव्य साहित्य का अध्ययन।
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यांश :** ६० अंक

१. हिंदी गद्य : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
२. हिंदी आत्मकथा : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
३. हिंदी जीवनी : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
४. हिंदी संस्मरण : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
५. हिंदी रेखाचित्र : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
६. हिंदी दलित निबंध : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।
७. व्यंग्य : विधारूप एवं विकास का अध्ययन।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**

१. साहित्यशास्त्र : डॉ.माधव सोनटक्के
२. कथेत्तर साहित्य की विविध विधाएँ : वैद्यनाथ सिहल, हिमाचल प्रदेश साहित्य अकादमी, सिमला।
३. साहित्य शास्त्र : डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

# डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

## मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सत्र-(हिंदी)
Course Code A-HIN-420
Applied : हिंदी गद्य : विधारूप एवं विकास-२

अंक-१००

**उद्देश्य :**

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था।
२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन।
३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास।
४.

**अध्ययन-अध्यापन पध्दती :**

१. व्याख्यान।
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग।
३. कार्यशाला।
४. स्वाध्याय।

**पाठ्यपुस्तक :**

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**पाठ्यांश :** **६० अंक**

१. व्यापार और जनसंचार माध्यम : व्यापारिक विज्ञापन और जनसंचार के माध्यम, समाचारपत्रीय विज्ञापन, आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विज्ञापन, दूरदर्शन द्वारा प्रसारित विज्ञापन, चित्रपट विज्ञापन, व्यापारिक जनसम्पर्क में जनसंचार माध्यमों का योगदान, जनसंचार माध्यमों का दायित्व विज्ञापन की भाषा, विज्ञापनीय भाषा की विशेषताएँ, विज्ञापन की हिंदी : स्वरूप एवं समस्याएँ।
२. अद्यतन इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम और हिंदी : कम्प्युटर : सामान्य परिचय, उपयोगिता, संरचना प्रकार, सॉफ्टवेअर पैकेज, हिंदी में शब्द संसाधन हिंदी में डाटा संसाधन, इंटरनेट : आविष्कार और विकास तात्पर्य और स्वरूप, नेटवर्क, इंटरनेट कार्यप्रणाली, इंटरनेट के संपर्क उपकरण : कम्प्युटर, ऑपरेटिंग सिस्टम, संचार माध्यम, डायल अप कनेक्शन, मॉडेम, बेसिक सॉफ्टवेअर, इंटरनेट दूरध्वनी, वर्ल्ड वाईड वेब, एफ.टी.एफ., ई-कॉमर्स, इंटरनेट रिले चॅट, इंटरनेट फॅक्स, वेब पत्रकारिता, ब्लॉगिंग, पॉडकास्टींग
३. मानक लिपी और अंक लेखन : हिंदी की स्वीकृत वर्णमाला तथा अंकलेखन देवनागरी लिपी :---
------------------------------------------------------------------------
४. अनुवाद : स्वरूप, परिभाषा, भेद, शब्दानुवाद, सहजानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, वार्तानुवाद, रूपान्तरण, भाषान्तरण, अनुवाद के गुण।

**अंतर्गत मूल्यांकन :** ४० अंक

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी/पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर।

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

---

बी.ए. द्वितीय वर्ष- -(हिंदी)

Course Code: विज्ञापन और हिंदी भाषा

---

अंक-

**इकाई-१ : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा**

१. विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा।

२. विज्ञापन का महत्त्व।

३. विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण।

४. विज्ञापन के नए संदर्भ। (प्रायोजित कार्यक्रम)

**इकाई-२: विज्ञापन : विविध माध्यम**

१. सामान्य परिचय।

२. विज्ञापन माध्यम का चयन।

३. प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन।

**इकाई-३ : विज्ञापन की भाषा**

१. विज्ञापन की भाषा का स्वरूप।

२. विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ।

३. विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर।

४. हिंदी विज्ञापनों की भाषा।

**इकाई-४ : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास**

१. प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण।

२. रेडियो जिंगल लेखन।

३. टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण।

**सहायक ग्रंथ :**


१. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन-विजय कुलश्रेष्ठ।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष- -(हिंदी)

Course Code : कम्प्यूटर और हिंदी भाषा

अंक-

**इकाई-१ : कम्प्यूटर का विकास और हिंदी**

१. कम्प्यूटर का परिचय और विकास।
२. कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास।
३. हिंदी के विविध फॉन्ट।
४. कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ।

**इकाई-२: हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी**

१. इंटरनेट पर हिंदी।
२. यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा।
३. हिंदी और वेब डिजाइनिंग।
४. हिंदी की वेबसाइट्स।

**इकाई-३ : हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस**

१. राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका।
२. ई-गवर्नेंस, इंटरनेट।
३. हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग।
४. सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएँ।

**इकाई-४ : हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष**

१. इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ।
२. एसएमएस की हिंदी।
३. न्यू मीडिया और हिंदी भाषा।
४. हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड।

**सहायक ग्रंथ :**


१. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजय कुमार मल्होत्रा।
२. कम्प्यूटर और हिंदी-हरिमोहन।
३. हिंदी भाषा और कम्प्यूटर-संतोष गोयल।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी, जि.जालना

CBCS बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी- सत्र-१

CC : (कोर/अनिवार्य प्रश्नपत्र)

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

अंक-

**इकाई-१ : आदिकाल**

१. हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परियच।

२. आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण।

३. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

**इकाई-२ : भक्तिकाल**

१. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास।

२. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

**इकाई-३ : रीतिकाल**

१. रीतिकाल : नामकरण।

२. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

**इकाई-४ : आधुनिककाल**

१. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध। (संक्रमण की परिस्थितियाँ)

२. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

३. उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप।

**सहायक ग्रंथ :**

१. हिंदी भाषा-धीरेंद्र वर्मा।

२. हिंदी भाषा की संरचना-भोलानाथ तिवारी।

३. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल।

४. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.नगेंद्र।

५. आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ-अनिल राय।

६. हिंदी साहित्य का अतीत-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।